

सिटी आस-पास संदेश

खबर संक्षेप

नवोदय में प्रवेश हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 25 अगस्त तक बढ़ी मेजा। कक्षा 6 सब 2024-25 में प्रवेश के लिए जब नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2024 के लिए अनलाइन पंजीकरण जारी है। अनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 25 अगस्त 2023 तक अग्रे बढ़ा दी गई है। विकासट एवं जागरूक आवेदन का संकेत है। नवोदय मेजा की प्राचीर्य श्रीमती सुधा सेठी ने बताया कि (पुष्टि - मीलिल), श्रीमती (सामान्य / औदौसी / एसटी / एसटी), क्षेत्री (ग्रामीण / शहरी), विकासट और परीक्षा का माध्यम के क्षेत्रों में पंजीकृत उम्मीदवारों द्वारा नवोदय आवेदन प्रयोग में संबोधन करने के लिए सुधार विडो अनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 अगस्त के बाद दो दिनों तक सुली होंगी।

बिना कमीशन के सीसी भुगतान देने में आना कानी

प्रसाद। किसानों को समय पर खाद बीज हेतु आर्थिक संकट का सामना न करना पड़े इस दृष्टि के दरकार सरकार ने सभी बीजों को किसान निवासी कार्ड कार्ड बीज देता है। रखे हैं, लेकिन बैंक शाखा प्रबंधक किसानों को केसीसी बनाने हेतु रोज बैंक का चक्रकर लगवाते हैं ऐसा ही एक वाक्यिक भारतीय स्टेट बैंक की बहसरा शाखा में देखने को मिला। सीसी कला निवासी के गुरुदत्त पूरा

मेजा क्षेत्र के युवक की बनारस गंगा स्नान के दौरान झूबने से मौत



अखंड भारत संदेश

सिरसा। लोटाड गुरुदत्त पुरा का निवासी अरुण कुमार सोनी (17) पुत्र अरुण सोनी सोमवार को बनारस गंगा घाट पर गंगा स्नान करते वक्त झूबने से उसकी मृत्यु हो गई। शाय ये स्नान कर रहे दोस्तों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही परिजन बारासी पहुंचकर

मामले की पूरी जानकारी ली। अरुण सोनी सोमवार को अपने मित्र के साथ बारासी में दर्शन पूनक के लिए गया था। दशाश्वमेध घाट पर गंगा स्नान करते वक्त झूबने से उसकी मृत्यु हो गई। शाय में स्नान कर रहे दोस्तों में हड़कंप मच गया। परिजनों के दौरान इन्होंने उसकी मौत हो गई।

सेननगर और मवैया मोड़ से धरे गए चोर, चोरी की बैट्री बरामद

शंकरगढ़ पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में की गिरफतारी।

शंकरगढ़। यमुनानगर के शंकरगढ़ थाने की पुलिस ने नीन चोरों की गिरफतारी की है। एसआई अधिविधि कुमार वर्मा ने बताया कि धारा 375 के संबंध में दर्ज केस के मामले में दो अधियुक्तों को गिरफतार किया गया है। क्षेत्र के महेवा पहलवान मोड़ से शत्रुघ्न आदिवासी पुत्र कामता प्रसाद आदिवासी (निवासी ग्राम अकौरिया) और लकुमा आदिवासी पुत्र प्रवेशन आदिवासी (निवासी ग्राम अकौरिया) को मुख्यतः को एक बैट्री भी बरामद हुई है। पूछताह के बाद सुनाया था कि यह एक अंतरायी पुलिस की खुलासा द्वारा तजनपद के रहने वाले हैं। पुलिस टीम के सदरक विभिन्न शहरों के मोहल्ले में बंद मकान की रेकी करते थे।

इनके क्षेत्र से चोरी की एक बैट्री भी बरामद हुई है। पूछताह के बाद उसका धारा 375 के संबंध में दर्ज केस के मामले में दो अधियुक्तों को गिरफतार किया गया है। एसआई अक्तुराज सिंह ने बताया कि धारा 375 के संबंध में दर्ज केस के मामले में शिवकुमार को गिरफतार किया है। एसआई अक्तुराज सिंह ने बताया कि धारा 375 के संबंध में शिवकुमार कुशवाहा को इनके द्वारा तजनपद के रहने वाले हैं। एसआई अक्तुराज सिंह ने बताया कि धारा 375 के संबंध में शिवकुमार कुशवाहा को इनके द्वारा तजनपद के रहने वाले हैं। एसआई अक्तुराज सिंह ने बताया कि धारा 375 के संबंध में शिवकुमार कुशवाहा को इनके द्वारा तजनपद के रहने वाले हैं।

नाग पंचमी पर विशाल भंडारे का आयोजन। नीनी। नीन नाम पंचमी के अवसर पर सोमवार को नीनी क्षेत्र में शंकरगढ़ सरपंक के क्षेत्रों पर गुरुदत्त पूरा अर्चना की शाय की साज्जा जारी रखी गयी। शिवालयों के साथ सोमवार के नीनी गुरुदत्त पूरा अर्चना की शाय की साज्जा जारी रखी गयी। संयोगिक आयोजन सिंह आशु एवं व्यापक अंडल अध्यक्ष व पार्वदं राकेश जरवाल संस्था कर्मसूलीय शिवालयों के साथ शाय की साज्जा जारी रखी गयी। शिवालयों के साथ सोमवार के नीनी गुरुदत्त पूरा अर्चना की शाय की साज्जा जारी रखी गयी।

अपहरण व दुष्कर्म के अभियोग से जुड़ा बाल अपचारी पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। नीनी। नीनी औद्योगिक क्षेत्र की पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में की गिरफतारी।

शंकरगढ़। यमुनानगर के शंकरगढ़ थाने की पुलिस ने नीन चोरों की गिरफतारी की है। एसआई अधिविधि कुमार वर्मा ने बताया कि धारा 375 के संबंध में दर्ज केस के मामले में दो अधियुक्तों को गिरफतार किया गया है। क्षेत्र के महेवा पहलवान मोड़ से शत्रुघ्न आदिवासी पुत्र कामता प्रसाद आदिवासी (निवासी ग्राम अकौरिया) और लकुमा आदिवासी पुत्र प्रवेशन आदिवासी (निवासी ग्राम अकौरिया) को मुख्यतः को एक बैट्री भी बरामद हुई है। पूछताह के बाद सुनाया था कि यह एक अंतरायी पुलिस की खुलासा द्वारा तजनपद के रहने वाले हैं। पुलिस टीम में कार्यालय बल बलराम सिंह और दीप कुमार भी शामिल रहे।

सेननगर निवासी से धरा गया शिवकुमार। इसी तरह शंकरगढ़ पुलिस ने बताया कि धारा 375 के संबंध में शिवकुमार को गिरफतार किया गया है। एसआई अक्तुराज सिंह ने बताया कि धारा 375 के संबंध में शिवकुमार कुशवाहा को इनके द्वारा तजनपद के रहने वाले हैं।

शुआट्स में इंटर हाउस फुटबॉल टूनार्मेंट का उद्घाटन। नीनी। नीन नाम पंचमी के अवसर पर सोमवार को नीनी क्षेत्र में शंकरगढ़ सरपंक के क्षेत्रों पर गुरुदत्त पूरा अर्चना की शाय की साज्जा जारी रखी गयी। संयोगिक आयोजन सिंह आशु एवं व्यापक अंडल अध्यक्ष व पार्वदं राकेश जरवाल संस्था कर्मसूलीय शिवालयों के साथ शाय की साज्जा जारी रखी गयी।

शुआट्स में इंटर हाउस फुटबॉल टूनार्मेंट का उद्घाटन। नीनी। नीन नाम पंचमी के अवसर पर सोमवार को नीनी क्षेत्र में शंकरगढ़ सरपंक के क्षेत्रों पर गुरुदत्त पूरा अर्चना की शाय की साज्जा जारी रखी गयी। संयोगिक आयोजन सिंह आशु एवं व्यापक अंडल अध्यक्ष व पार्वदं राकेश जरवाल संस्था कर्मसूलीय शिवालयों के साथ शाय की साज्जा जारी रखी गयी।

शुआट्स में इंटर हाउस फुटबॉल टूनार्मेंट का उद्घाटन। नीनी। नीन नाम पंचमी के अवसर पर सोमवार को नीनी क्षेत्र में शंकरगढ़ सरपंक के क्षेत्रों पर गुरुदत्त पूरा अर्चना की शाय की साज्जा जारी रखी गयी। संयोगिक आयोजन सिंह आशु एवं व्यापक अंडल अध्यक्ष व पार्वदं राकेश जरवाल संस्था कर्मसूलीय शिवालयों के साथ शाय की साज्जा जारी रखी गयी।

शुआट्स में इंटर हाउस फुटबॉल टूनार्मेंट का उद्घाटन। नीनी। नीन नाम पंचमी के अवसर पर सोमवार को नीनी क्षेत्र में शंकरगढ़ सरपंक के क्षेत्रों पर गुरुदत्त पूरा अर्चना की शाय की साज्जा जारी रखी गयी। संयोगिक आयोजन सिंह आशु एवं व्यापक अंडल अध्यक्ष व पार्वदं राकेश जरवाल संस्था कर्मसूलीय शिवालयों के साथ शाय की साज्जा जारी रखी गयी।

शुआट्स में इंटर हाउस फुटबॉल टूनार्मेंट का उद्घाटन। नीनी। नीन नाम पंचमी के अवसर पर सोमवार को नीनी क्षेत्र में शंकरगढ़ सरपंक के क्षेत्रों पर गुरुदत्त पूरा अर्चना की शाय की साज्जा जारी रखी गयी। संयोगिक आयोजन सिंह आशु एवं व्यापक अंडल अध्यक्ष व पार्वदं राकेश जरवाल संस्था कर्मसूलीय शिवालयों के साथ शाय की साज्जा जारी रखी गयी।

शुआट्स में इंटर हाउस फुटबॉल टूनार्मेंट का उद्घाटन। नीनी। नीन नाम पंचमी के अवसर पर सोमवार को नीनी क्षेत्र में शंकरगढ़ सरपंक के क्षेत्रों पर गुरुदत्त पूरा अर्चना की शाय की साज्जा जारी रखी गयी। संयोगिक आयोजन सिंह आशु एवं व्यापक अंडल अध्यक्ष व पार्वदं राकेश जरवाल संस्था कर्मसूलीय शिवालयों के साथ शाय की साज्जा जारी रखी गयी।

शुआट्स में इंटर हाउस फुटबॉल टूनार्मेंट का उद्घाटन। नीनी। नीन नाम पंचमी के अवसर पर सोमवार को नीनी क्षेत्र में शंकरगढ़ सरपंक के क्षेत्रों पर गुरुदत्त पूरा अर्चना की शाय की साज्जा जारी रखी गयी। संयोगिक आयोजन सिंह आशु एवं व्यापक अंडल अध्यक्ष व पार्वदं राकेश जरवाल संस्था कर्मसूलीय शिवालयों के साथ शाय की साज्जा जारी रखी गयी।

शुआट्स में इंटर हाउस फुटबॉल टूनार्मेंट का उद्घाटन। नीनी। नीन नाम पंचमी के अवसर पर सोमवार को नीनी क्षेत्र में शंकरगढ़ सरपंक के क्षेत्रों पर गुरुदत्त पूरा अर्चना की शाय की साज्जा जारी रखी गयी। संयोगिक आयोजन सिंह आशु एवं व्यापक अंडल अध्यक्ष व पार्वदं राकेश जरवाल संस्था कर्मसूलीय शिवालयों के साथ शाय की साज्जा जारी रखी गयी।

शुआट्स में इंटर हाउस फुटबॉल टूनार्मेंट का उद्घाटन। नीनी। नीन नाम पंचमी के अवसर पर सोमवार को नीनी क्षेत्र में शंकरगढ़ सरपंक के क्षेत्रों पर गुरुदत्त पूरा अर्चना की शाय की साज्जा जारी रखी गयी। संयोगिक आयोजन सिंह आशु एवं व्यापक अंडल अध्यक्ष व पार्वदं राकेश जरवाल संस्था कर्मसूलीय शिवालयों के साथ शाय की साज्जा जारी रखी गयी।

शुआट्स में इंटर हाउस फुटबॉल टूनार्मेंट का उद्घ

संपादक की कलम से

चंद्रबाबू नायडू ने खो दी भाजपा से सौदेबाजी की ताकत

आंध्र प्रदेश अभी भी राज्य के विभाजन से उबर नहीं पाया है। जहां जगनमोहन रेड़ी नतीजे से खुश दिख रहे हैं, वहीं चंद्रबाबू नायडू अपने कंधों पर एक बड़ी जिम्मेदारी लेकर चल रहे हैं। नायडू 'अमरावती' को आंध्र प्रदेश की राजधानी बनाने पर अडे हैं जबकि जगनमोहन रेड़ी विशाखापत्तनम को राजधानी बनाना चाहते हैं। यह एक कड़ा गतिरोध है। क्या भाजपा का कोई विचार है? तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू की 2024 में राष्ट्रीय राजनीति में भूमिका है या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वह एनडीए में है या नहीं। नायडू इस बात पर जोर देते हैं कि उनकी एक भूमिका होगी और अगर टीटीपी के भाजपा के साथ हाथ मिलाने की बात सच है, तो उनकी एक निश्चित भूमिका हो सकती है। चाहे जो हो, 2024 अभी भी बहुत आगे है, भले ही जिस गति से एक के बाद एक शुक्रवार बीते जा रहे हैं और भाजपा-तेदेपा गठबंधन जोर नहीं पकड़ रहा है, वह एक और कहानी बताता है। तथ्य यह है कि जब नरेंद्र मोदी खुद को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री घोषित कर चुके हैं तो नायडू की भूमिका क्या होगी। चंद्रबाबू नायडू मोदी के लिए किसी भी अन्य राजनेता से अलग नहीं हैं। क्या कोई भी राजनेता यानी मोदी की पार्टी भाजपा सहित किसी भी पार्टी का कोई राजनेता, खड़ा होकर मोदी को याद दिला सकता है कि वह जब चाहें तब खुद को प्रधानमंत्री घोषित नहीं कर सकते। इसके बजाय, जो हम देखते हैं वह स्वीकृति है- पूर्ण स्वीकृति। फिर यहां चंद्रबाबू भी कह रहे हैं कि वह 2024 में अपनी भूमिका के बारे में 'स्पष्ट' हैं। वैकल्पिक रूप से, तेदेपा को आंध्र प्रदेश विधानसभा जीतने का लक्ष्य रखना चाहिए, जिसके लिए चुनाव 2024 में भी निर्धारित हैं। नायडू सबसे ज्यादा खुश होंगे अगर वह वाईएसआरसीपी के जगन रेड़ी को हटा दें। मुख्यमंत्री रेड़ी आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री की कुर्सी से चिपके हुए हैं और आंध्र प्रदेश के एक समय के अति-शक्तिशाली मुख्यमंत्री चंद्रबाबू अब इसे बर्दाशत नहीं कर सकते। चंद्रबाबू उस दिन का सपना देखता है जब तेदेपा आंध्र प्रदेश में सत्ता में लौटीगी और आंध्र प्रदेश के लिए उसने जो योजनाएं बनाई हैं वे सभी सच होंगी। पिछले कई महीनों, हफ्तों और दिनों से भाजपा के तेदेपा से हाथ मिलाने की चर्चा चल रही है। प्रधानमंत्री की पार्टी ने अपवाहों को जीवित रखा है और तेदेपा के राजग में शामिल होने और वाईएसआरसीपी के लोकसभा और राज्यसभा में सहायक भूमिका के लिए समझौता करने की चर्चा जारी है। पिछली बार सुना था, नायडू अपने पद से डिग नहीं थे। न तो जगन रेड़ी और न ही जेपी नड्डा। सभी लोग अपनी-अपनी बात पर अडे रहे। इतना ही नहीं, जब नायडू से उनकी योजनाओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'राजग में शामिल होने के बारे में बात करने का यह सही समय नहीं है। मैं इस बारे में सही समय पर बात करूंगा।' नायडू का 'सही समय' अतीत में है, जो उनके भविष्य के लिए अच्छा संकेत नहीं है। चंद्रबाबू नायडू यह भी भूल जाते हैं कि वह राष्ट्रीय जनतात्रिक गठबंधन (राजग) के संस्थापकों में से एक थे, जिसे केंद्र द्वारा आंध्र प्रदेश को 'विशेष दर्जी' देने से इंकार करने के बाद उन्होंने गुस्से में छोड़ दिया था। अब, कई मौके गंवाने के बाद, नायडू इस बात पर जोर दे रहे हैं कि उनकी 'प्राथमिकता' आंध्र प्रदेश है- उनका 'बड़ा एजेंडा'। चंद्रबाबू नायडू एक शानदार राजधानी के साथ आंध्र प्रदेश के पुनर्निर्माण के लिए जी रहे हैं।

रमेश सर्वार्थ धमोरा
राजस्थान में कांग्रेस पार्टी अगले विधानसभा
चुनाव में जिताऊं प्रत्याशियों पर ही दांव
लगाएगी। पार्टी को जो प्रत्याशी जीतने वाला
लगेगा चाहे वह कितनी भी अधिक उम्र का
वयों ना हो उसे मैदान में उतारा जाएगा
कांग्रेस का प्रयास है कि राजस्थान में
लगातार दूसरी बार सरकार बना कर हमें
बार सरकार बदलने के मिथक को तोड़ा
जाए। इसीलिए पार्टी के बड़े नेता अलग-अलग
एंगल से सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों
में जीतने वाले प्रत्याशियों के लिए सर्वे
करवा रहे हैं। जिस व्यक्ति का नाम भी सर्वे
में उभर कर आएगा उसको ही इस बारा
कांग्रेस पार्टी टिकट देकर चुनावी मैदान में
उतरेगी। कांग्रेस के बड़े नेताओं का मानना
है कि आम कार्यकर्ता से लेकर निर्वाचित
जनप्रतिनिधि तक कोई भी टिकट के लिए
आवेदन कर सकता है। वरिष्ठ नेता पूरी तरह
से छानबीन कर अंतिम सूची में जीतने वाले
नाम पर भी सोहर लगायें।

नम पर ही माह लगए।
जयपुर में संपन्न हुई नवगाठित प्रदेश चुनाव समिति की बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल व प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा की मौजूदगी में कहा था कि हम चुनाव जीतेंगे। हमने प्रदेश की जनता के खले के लिए बहुत से नए काम किए हैं तथा बहुत सी नयी योजनाएं प्रारंभ की हैं। जिससे प्रदेश की अधिकांश जनता लाभान्वित हो रही है। हमारे द्वारा शुरू किए गए कामों के बढ़ावत ही राजस्थान के लोगों ने कांग्रेस पार्टी को फिर से जिताने का मानस बना लिया है। कांग्रेस के सभी नेता मिलजुल कर पूरी एकजुट से चुनाव मैदान में उतरेंगे। जबकि भाजपा में आज भी अलग-अलग नेताओं के अलग-अलग गुट बने हुए हैं। ऐसे में प्रदेशवारी कांग्रेस की ही सरकार बनाने की चर्चा करने लगे हैं। गहलोत का कहना है कि बीजेपी तो हार मान चुकी है। जबकि हम चुनाव मैदान में उतर चुके हैं। बीजेपी में दिल्ली से आकर नेता चुनाव लड़ेंगे तो जनता इनसे पूछेंगी किसका विजय हमारे फैसले भी आप दिल्ली से बैठकर करोगे। बीजेपी की यह स्थिति है कि उनके कार्यकर्ता पूछते हैं कि हमारा नेता कौन है। इनके पास चुनाव लड़ने के लिए चेहरा तक नहीं है। प्रधानमंत्री के चेहरे पर चुनाव लड़ा जाएगा तो यह चुनाव से पहले हार मानने की स्थिति में आ गए हैं। जनता इस बात का एहसास कर रही है। जयपुर में कांग्रेस की प्रदेश चुनाव समिति की पहली बैठक के बाद मुख्यमंत्री अशोक

जिताऊ प्रत्याशियों पर दांव लगायेगी कांग्रेस



गहलोत न कहा कि विधानसभा चुनाव में युवा हो या बुजुर्ग हो टिकट वितरण में केवल जिताऊ को ही देखा जाएगा। यही सबसे बड़ा क्राइटरिया होगा। गहलोत का मानना है कि कर्नाटक चुनाव में 90 साल के व्यक्ति को भी टिकट दिया गया था जो चुनाव जीतकर आया। इसलिए जो जीत सकता है उसको ही टिकट दिया जाएगा। गहलोत के इस बयान से साफ है कि उदयपुर चिंतन शिविर के घोषणापत्र का पालन टिकटों में नहीं होगा। आगामी विधानसभा चुनाव में युवाओं को टिकटों में प्राथमिकता देने की जगह जिताऊ का मापदंड रहेगा।

कांग्रेस पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों में प्रत्याशियों के टिकट जल्दी से जल्दी तय करना चाहती है। कांग्रेस के अधिकांश वरिष्ठ नेता चुनाव की आदर्श आचार संहिता लागें से पहले प्रत्याशियों के नाम तय कर देना चाहते हैं। इसको लेकर ब्लाक कमेटियों से लेकर प्रदेश स्तर पर गठित चुनावी समितियों की बैठकों का दौर शुरू कर दिया गया है। पार्टी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों और पार्टी नेताओं ने टिकटों के पैनल पर काम शुरू कर दिया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा राजस्थान के सभी 25 लोकसभा सीटों पर गुजरात, हरियाणा व उत्तर प्रदेश के 25 विधायिकों को पार्टी पर्यवेक्षक बनाकर जिलों में भेजा गया था। इन 25 पर्यवेक्षकों में से हर एक को लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाली आठ विधानसभा सीटों का फीडबैक लेकर काम दिया गया था।

सभी पर्यवेक्षकों ने जिलों में जाकर जिले कांग्रेस कमेटी की बैठक को का आयोजित कर विभिन्न नेताओं से पार्टी के संभावित प्रत्याशियों के बारे में फीडबैक लिया ताकि पार्टी की टिकट चाहने वालों के बयोडो भी एकत्रित किए हैं। सभी पर्यवेक्षकों ने जयपुर लौटकर अपनी रिपोर्ट पार्टी के प्रदेश प्रभारी सुखिंजिंद सिंह रंधावा को सौंप दी है। इसके अलावा इसके अलावा कांग्रेस जिला अध्यक्ष व ब्लॉक अध्यक्षों से भी राजनीति जाएगी। प्रदेश प्रभारी सुखिंजिंद सिंह रंधावा व उनके साथ तीन सह प्रभारी लगातार प्रदेश का दौरा कर विभिन्न स्तर पर रायशुमारी कर रहे हैं। टिकट वितरण पार्टी द्वारा उम्र का बंधन लागू नहीं करने कारण उम्रदराज नेताओं को भी टिकट मिलने की संभावना बन गई है। इसी चलते कांग्रेस विधायक हेमाराम चौधरी दीपेंद्र सिंह शेखावत, भारत सिंह जै उम्रदराज नेताओं ने अगला विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने की बात कही थी। मात्र उम्र का बंधन नहीं होने के चलते शायद दूसरे लोग भी फिर से चुनावी मैदान में उपस्थित जायें।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने

आदिवासी बहुल बासवाड़ा जिल के मानगढ़ धाम में एक बड़ी तैरियी को संबोधित कर राजस्थान में चुनाव प्रचार की शुरूआत कर दी है। राहुल गांधी के राजस्थान दौरे के बाद कांग्रेस के नेता सक्रिय होकर चुनाव की तैयारी में जुट गए हैं। मुख्यमंत्री गहलोत भी चुनाव को लेकर प्रेरणा आक्रामक मूड में है। पालिटिकल अफेयर्स कमेटी की मीटिंग में मुख्यमंत्री ने अपने नजदीक माने जाने वाले कांग्रेस नेताओं को जमकर फटकार लगाई। विधायक रघु शर्मा ने जब जातिगत जनगणना के फैसले पर सवाल उठाते हुए इससे चुनावों में नुकसान होने की आशंका जताई तो गहलोत ने उन पर तंज कसते हुए कहा कि तुम तो नेशनल लीडर हो। राहुल गांधी से ही सीधी बात क्यों नहीं कर लेते। आपको पता है यह हमारी पार्टी का नेशनल स्टैंड है और आप इस तरह की बात कह रहे हो। कर्नाटक में राहुल गांधी ने बोला था। बाकी जगह भी कांग्रेस का यही स्टैंड है। बैठक में पूर्व सांसद रघुवीर मीणा ने आदिवासी इलाके मानगढ़ की सभा में एसटी आरक्षण की जगह ओबीसी आरक्षण पर घोषणा करने को पार्टी के लिए नुकसानदायक बताते हुए इस पर सवाल उठाए। रघुवीर मीणा के सवाल उठाने पर गहलोत ने कहा कि मुझे पता है कहाँ क्या घोषणा करनी है। मुख्यमंत्री सबका होता है

मरण प्राथमिकता सब लाग है। काइ बात कहा रखनी है मैं मुख्यमंत्री हूं इतना तो जानता ही हूं। अब तो सलूंबर को जिला बना दिया और आपके चुनाव जीतने का गस्ता साफ कर दिया है। पिर भी यह बात बोल रहे हो। वैटक के दौरान खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने बीजेपी के आरोपों पर आक्रमक होने की सलाह दी तो गहलोत ने खाचरियावास पर भी तंज कसते हुए कहा कि खाचरियावास बोलते-बोलते पता नहीं कौन सा ट्रैक कफ़ड़ कर क्या बोल जाते हैं। कसी वेणुगोपाल जी अनुशासन के मामलों में कार्यवाई करने में थोड़ा वक्त लगते हैं। अगर इनकी जगह मैं होता तो बता देता। गहलोत ने राज्यसभा सांसद नीरज डांगी पर अपनी तंज कसते हुये कहा कि आपको पार्टी में दो बार मौके दिया जीते नहीं तो पार्टी ने राज्यसभा सांसद बना दिया। कम से कम अब तो एक विधानसभा सीट जितवाने की जिम्मेदारी लेनी ही चाहिए। चुनावी तैयारियों के नजरिये से कांग्रेस पार्टी प्रदेश में भाजपा ने काफी आगे चल रही है। सचिन पायलट के शांत होने से पार्टी में चल रही गुटबाजी बंद हो गयी है। यह साफ हो गया है कि मुख्यमंत्री गहलोत ही पूरे चुनावी अभियान का नेतृत्व करें। भाजपा छारा गहलोत के समने अभी तक कोई चुनावी चेहरा नहीं उतारे जाने के चलते कांग्रेस को फायदा देता नजर आ रहा है।

खरगो की नई टीम से कांग्रेस को आगामी चुनावों में कितना फायदा होगा ?

एल एस हरदेविया

को आश्वर्यचिकित कर दिया। शायद यह पहली बार है कि मतदान के तीन महीने पहले ही उम्मीदवारों का चयन कर लिया गया है। दूसरा कदम कांग्रेस का है जिसने चुनाव की तारीखों से काफी पहले ही भाजपा सरकार के खिलाफ आरोपपत्र जारी कर दिया है। हालांकि भाजपा ने सोचा था कि उम्मीदवारों की घोषणा का पार्टी के लोग स्वागत करेंगे लेकिन हुआ इसके उलट। इस घोषणा का स्वागत करने के बजाय पार्टी के एक बड़े वर्ग में नाराजगी देखी गई। ऐसे समय में, जब सर्वेक्षणों में शिवराज सिंह चौहान सरकार के खिलाफ भारी सत्ता विरोधी लहर की भविष्यवाणी की गई थी, भाजपा ने न केवल उन निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारे हैं जहां वह 2018 में हार गई थी बल्कि पार्टी उम्मीदवार लगातार एक के बाद एक चुनाव हारते रहे हैं। सूची से असंतुष्ट भाजपा नेता और कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। यह इसके विपरीत कि चुनाव से करीब तीन महीने पहले सूची जारी कर यह संदेश देने की कोशिश की गई कि भाजपा कड़ी टक्कर देने जा रही है और राज्य में अपने पांचवें कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ रही है। वह हर सीट पर

लड़ी। प्रदेश भाजपा नेताओं ने दावा किया था कि इस सूची से कार्यक्रमांकों को संगठित और सक्रिय किया जायेगा। विधानसभा चुनाव से काफी पहले ही वे अपने घरों से निकलकर मैदान में उतरेंगे। इसे कांग्रेस के गढ़ कही जाने वाली कुछ सीटों को जीतने के लिए पर्याप्त समय के अवसर के रूप में देखा जा रहा था। 13 आदिवासी उम्मीदवारों की घोषणा का मतलब आदिवासी मतदाताओं को भगवा पार्टी की ओर वापस लाना भी था। राजकुमार कराठे के गुरुवार सुबह 'आप' से इस्तीफा देने के कुछ घंटों बाद, उन्हें बालाघाट के लांजी निवारीचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारा गया। इसके विरोध में सीट से पार्टी के पूर्व विधायक रमेश भट्टेरे के समर्थकों ने राजकुमार कराठे के खिलाफ नारे लगाते हुए लांजी की सड़कों पर भाजपा के झंडे के साथ जुलूस निकाला। 'राजकुमार को झाड़ू मारो' उनका नारा था। केंद्रीय नेतृत्व को पता होना चाहिए कि उहोंने उस व्यक्ति को टिकट दिया है जो आज भी पार्टी का प्राथमिक सदस्य नहीं है। शुक्रवार तक वह आप के साथ थे और लगातार भाजपा के केंद्रीय और राज्य नेतृत्व के

खिलाफ प्रचार कर रहे थे। हमारी मांग है कि 'इस फैसले को बदला जाये,' रमेश भट्टेरे के एक समर्थक ने कहा। छत्तरपुर से पूर्व मंत्री ललिता यादव को मैदान में उत्तरान का भी विरोध किया जा रहा है, यह सीट उन्होंने 2008 में 7,508 वोटों के अंतर से और 2013 में 2,217 वोटों से जीती थी। जब निर्वाचन क्षेत्र में उनका अंतर कम हो गया, तो पार्टी ने उन्हें 2018 के विधानसभा चुनाव में उन्हें बड़ा मलाहरा निर्वाचन क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया, जहां वह कांग्रेस के प्रद्युम्न सिंह लोधी (अब भाजपा में) से 15,779 मतों के अंतर से हार गई। बड़ा मलाहरा में उमा भारती के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान उनकी सीट थी। भाजपा ने दो बार छत्तरपुर नगर पालिका की अध्यक्ष रहीं अर्चना गुड़ू सिंह को छत्तरपुर से अपना उम्मीदवार बनाया है। अर्चना सिंह 2018 का चुनाव भी 3,496 वोटों के अंतर से हार गई थीं। अब सवाल पूछा जा रहा है कि पार्टी ललिता यादव को छत्तरपुर से क्यों मैदान में उतारेगी, जबकि 2013 में उनकी जीत का अंतर बहुत कम था और 2018 में बड़ा मलेहरा में हार गई थीं?

**जातिगत जनगणना हा करेगा हिन्दू-
मुसलमान राजनीति का मुकाबला !**

શક્તાલ અંગ્રે

जा जारी है। विद्या नहीं पढ़ना इंडिया को समझ लेना चाहिए कि किसी मुद्दे को आधे अधरे मन से उठाने से कोई फायदा नहीं होता है। उल्टे नुकसान की संभावनाएं ज्यादा रहती हैं। क्योंकि विशेषी तो आपके खिलाफ हो ही जाते हैं। लेकिन उससे सहमत लोग आपकी दुविधा की वजह से पूरी तरह आपके साथ नहीं आते हैं।

31 अगस्त और एक सितम्बर को मुबई में होने वाली 26 विपक्षी दलों की तीसरी बैठक में संयोजक का चुनाव और 11 सदस्यीय संचालन समिति की घोषणा का तो एक औपचारिक महत्व है। असली बात वह माहौल बनाना है जिससे जनता हिन्दू-मुसलमान के जाल से निकलकर बाहर आए। पिछले 9 साल में जो हिन्दू-मुसलमान का नशा करवाया गया है उसका तोड़ जातिगत जनगणना ही है। कमंडल का जवाब मंडल की तरह।

मुबई में अगर इंडिया ने जातिगणना

ऑपेशन कमल के साथने अब कर्नाटक में कांग्रेस का ऑपेशन पंजा का आगाज

अशाक भाट्या

भाजपा जोती बगर सत्ता हाथियाने में माहिर हैं। उसके लिए वह स्पेशल टीम लगाती है, जो 60% राज्यों में कामयाब रही है। 'ऑपरेशन लोटस' भाजपा की उस स्ट्रैटजी के लिए गढ़ा गया शब्द है, जिसमें सीटें पूरी न होने के बावजूद पार्टी सरकार बनाने की कोशिश करती है। पिछले 6 साल के दौरान 7 राज्यों में भाजपा ने ऑपरेशन लोटस चलाया। इसमें से 5 बार भाजपा को सफलता मिली है, जबकि 2 बार मात खानी पड़ी। मध्य प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गोवा, अरुणाचल में भाजपा पास हुई तो राजस्थान, उत्तराखण्ड में उसे फेल होना पड़ा था। अभी ऑपरेशन की सबसे बड़ी हलचल कर्नाटक में चल रही है जहाँ भाजपा ने यह ऑपरेशन कमल शुरू किया था। 2017 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भाजपा 104 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। भाजपा नेता बीएस येंदियरप्पा ने मस्त्रमंत्री पद की शपथ भी ले

ला, लाकन प्लॉटर टेस्ट पास नहा कर पाए। सरकार गिर गई इसके बाद कांग्रेस के 80 और जे.डी.एस . के 37 विधायकों ने मिलकर सरकार बना ली। 2 साल भी पूरे नहीं हुए थे कि पॉलिटिकल क्राइसिस शुरू हो गई। जुलाई 2019 में कांग्रेस के 12 और जे.डी.एस . के 3 विधायक बागी हो गए कांग्रेस-जे.डी.एस . सरकार के पास 101 सीटें बर्ची। वहीं भाजपा की 105 सीटें बरकरार रहीं। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और वहां से प्लॉटर टेस्ट का आदेश दिया गया। सरकार प्लॉटर टेस्ट में फेल हो गई और मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने इसीफा दे दिया। इस समय 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले कर्नाटक के सियासी गलियों में 'ऑपरेशन पंज' की चर्चा जोरों पर है। कहा जा रहा है कि इस समय कांग्रेस भाजपा और जेडीएस को तोड़ने की रणनीति पर काम कर रही है। कुछ राजनीतिक विशेषज्ञों का ये भी मानना है कि ये 2019 के ऑपरेशन लोटस का बदला है। कांग्रेस सत्रों के मतविक पार्टी

4 चरणों में भाजपा -जेडीएस विधायकों को तोड़ने की है। एक न्यूज एंजेसी ने कर्नाटक कंग्रेस सूत्रों के हवाले से बताया है कि नल्द ही 15 विषयी विधायकों को पार्टी में शामिल किया जा सकता है। सूत्रों के अनुबिक, विधायकों से संपर्क किया जा रुका है और उनके पदों को लेकर आगे की चर्चा चल रही है। इस पर मुहर लगते ही विधायकों को कंग्रेस में शामिल कर लिया जाएगा। 'ऑपरेशन पंजा' की चर्चा पर भाजपा ने भी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस बोम्मई ने दावा किया कि कोई भी भाजपा विधायक कंग्रेस में शामिल नहीं होगा। कर्नाटक के राजनीतिक गलियोंमें चर्चा है कि ऑपरेशन पांजा को ऑपरेशन लोटस की तर्ज पर लायू किया जाएगा। इसके तहत कंग्रेस उन विषयी विधायकों को तोड़ने की रणनीति बना रही है जो कभी कंग्रेस में थे। इसके अलावा कंग्रेस की नजर पुराने मैसूर, बेलगामी, बीदर और तटीय कर्नाटक के

जब तक भाजपा नहीं आ पर ह। इन नैतिकों को साथ लेकर काग्रे भाजपा को कड़ी टक्कर देने वायर कर रही है। कर्णाटक में 2024 में लोकसभा की 20 साल का लक्ष्य रखा है। फिलहाल पार्टी-सेप्ट एक सीट है। इसलिए अपरेशन पंजा के जरिए राज्य नाकर बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। राजनीतिक गलियारों में 'अपरेशन' वर्चां चल रही थी तो भाजपा कानन में बैठक बुलाइ। यह बैठक मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के उपर्युक्त बुलाइ गई थी। इस बैठक में भाजपा विधायक शामिल नहीं हुए। विधायकों तो मेंशेखर और शिवराम हेब्बार अनुपस्थित रहे। एक स्थानीय डिप्पर अनुसार येदियुरप्पा ने बैठक के कुछ विधायक भाजपा छोड़ने सोच रहे हैं, लेकिन हम लगाएं संपर्क में हैं। येदियुरप्पा के घर भाजपा की बैठक से नदारद

2024 इनीति प्रेस ने जीतने के पास कांग्रेस अपनी | जब जा' की आनन्द क पूर्व आस पर के दो एसटी उक से बार के द कहा बारे में उनके पर हुई धायक सामशेखर न कहा वह डाक शिव के राजनीतिक गुरु हैं। सोमशेखर के बाद ऑपरेशन पंजा पर मुहर लगा अपने समर्थकों से बात करते हुए सोमशेखर ने कहा- मैं जहां हूं, वहां खुश नह रहा सोमशेखर भाजपा आलाकमान से नह है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी नेताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नह जो इस क्षेत्र में उनके खिलाफ काम कर थे। कर्नाटक की क्षेत्रीय पार्टी जनता सेक्युरिटी में भी नाशजगी की खबरें अप हैं। बताया जा रहा है कि जेडीएस के 12 विधायक कांग्रेस के संपर्क में हैं। दो तिरही विधायकों को एक साथ लाकोशिश कर रही है। जेडीएस के फिलहाल 19 विधायक हैं और अगर विधायक एकजुट हो जाएं तो उन्हें विध पद से इस्तीफा नहीं देना पड़ेगा। 135 जीतकर सरकार बनाने वाली कांग्रेस 42 फीसदी बोट मिले। साथ ही 66 जीतने वाली भाजपा को 36 फीसदी मिले हैं। कर्नाटक में चनाब के बाद 4

आर जडाएस गठबंधन का बातचार चल रही है। अगर दोनों ने गठबंधन किया तो वोटों का प्रतिशत 50 के करीब पहुंच जाएगा। इसे रोकने के लिए कंप्रेस रणनीति बना रही है। पार्टी पूरे वोट बैंक को बदलने की कोशिश में है। इसके लिए जेडीएस में बड़े विभाजन की जरूरत है। कंप्रेस सूत्रों ने बताया कि ऑपरेशन पंजा लोकसभा चुनाव तक जारी रहेगा। कंप्रेस की रणनीति भाजपा और जेडीएस के बीच भ्रम पैदा करने की है। कंप्रेस लगातार कर्नाटक में विपक्ष का नेता नहीं चुने जाने का मुद्दा उठा रही है। मई में चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद से भाजपा कर्नाटक में एक विपक्षी नेता का चुनाव नहीं कर पाई है। गैरतलब है कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भाजपा को एकत्रफा शिकस्त देने के बाद भी राज्य में कंप्रेस बहुत मजबूत स्थिति में दिखाई दे रही है। साथ ही, पार्टी यहां लगातार भाजपा को कमज़ार करने में लगी हुई है। कंप्रेस नेताओं की कोशिश है कि अब ताल होने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा को सबे से बलान स्वाप लेया जाए। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री और कंप्रेस अध्यक्ष डॉके शिवकुमार के एक सियासी बयान ने ऑपरेशन पंजा के अटकलों को और अधिक बल दिया। शिवकुमार से जब पत्रकारों ने पूछा कि क्या वे विधायकों की घर वापसी करा रहे हैं, तो उनका जवाब था- राजनीति में सब कुछ संभव है। शिवकुमार के मुताबिक कंप्रेस कर्नाटक के उन इलाकों पर ज्यादा फोकस कर रही है, जहां 2023 के चुनाव में उसका वोट प्रतिशत काफी कम था। शिवकुमार ने बताया कि पार्टी वोट प्रतिशत बढ़ने की रणनीति पर काम कर रही है। हमारा लक्ष्य लोकसभा में अधिक सीटें जीतने का है। दरअसल 2023 के चुनाव में कंप्रेस कर्नाटक के कई इलाकों में एकत्रफा जीती, लेकिन बेंगलुरु, बीदर और बेलगावी में पार्टी भाजपा से पिछड़ गई। बेंगलुरु (शहर) के 28 में से सिर्फ 12 सीटें जीत पाई। इसी तरह बीदर की 6 में 2 और बेलगावी की 11 में 7 सीटें ही कंप्रेस जीत पाई।

विदेश संदेश

भारत का विरोध दरकिनार, ब्रिक्स के विस्तार की चीनी मांग को दक्षिण अफ्रीका का समर्थन

जोहान्सबर्ग। ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका की सदस्यता वाले संगठन ब्रिक्स के विस्तार को लेकर राजनीति तेज हो गयी है। भारत का विरोध दरकिनार करके दक्षिण अफ्रीका ने ब्रिक्स के विस्तार की चीनी मांग को समर्थन किया है। ब्रिक्स खिंचार सम्मेलन 22 से 24 अगस्त तक जोहान्सबर्ग में होना है। ब्रिक्स का सदस्य बनने के लिए 22 देशों ने आवेदन किया है। सम्मेलन में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के नेता इस प्रश्न पर विचार करेंगे। भारत ब्रिक्स के विस्तार का विरोध कर रहा है, लेकिन चीन विस्तार के पक्ष में है। इस बीच दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति स्पिरिल रामफोसा ने ब्रिक्स के विस्तार को लेकर चीन का समर्थन किया है। राष्ट्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उनका देश 'ब्रिक्स' से सदस्यों की संख्या बढ़ाने का समर्थन करता है।

रामफोसा ने कहा कि अपने प्रयागरों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए ब्रिक्स को अन्य देशों के साथ साझेदारी करने की जरूरत है, जो उसकी आकाशशंखों और ड्रॉप्टार्कोण को साझा करते हैं। रामफोसा ने शिखर सम्मेलन में अफ्रीका, कैरि�बियाँ और दक्षिण अमेरिका, मध्य और पश्चिम एशिया, दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के कई अन्य नेताओं की भागीदारी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि एक विस्तारित ब्रिक्स अलग-अलग राजनीतिक प्रणालियों वाले देशों के एक विविध समूह का प्रतिनिधित्व करेगा, जो अधिक सुलिलित वैश्विक व्यवस्था की समान इच्छा साझा करते हैं।

सीरिया: आतंकी संगठन के ठिकाने पर रूस का हमला, आठ की मौत

इदलिब। यूक्रेन में युद्ध लड़ रही रूस की सेना ने सीरिया के एक आतंकी संगठन हाती तहरी अल-शाम (एचटीएस) के ठिकाने पर हमला किया है। हमले में आठ आतंकियों की मौत हो गयी है। कई अन्य घायल हुए हैं। जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। आतंकी संगठन अल-कायदा का सहयोगी संगठन हयात हर्री अल-शाम सीरिया के इदलिब प्रांत के कछु हिस्सों को नियन्त्रित करता है।

सीरिया के राजनीति बशर अल असद के शासन को चुनौती देने वाला यह संगठन सशस्त्र विरोध के अंतिम गढ़ के रूप में हमला किया। इदलिब प्रांत का यह हिस्सा इस सशस्त्र विरोध के अंतिम गढ़ के रूप में हमले किया जाता है। सुबह रूस की सेना ने तहरी अल-शाम के सशस्त्र विकाने पर हवाई हमलों में हयात तहरी अल-शाम संगठन के आठ आतंकियों की मौत हो गयी है।

सीरिया के मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की ओर से जानकारी दी गयी कि रूस के फाइटर जेट ने इदलिब शहर के पश्चिमी बाहरी इनके द्वारा लाने की शिकायत की थी और उन्होंने जिजात का उद्धवाले हो रहा है और उन्हें अन्य लोग घायल हुए हैं। इनमें से कुछ की हालत गंभीर है। गंभीर रूप से घायल लोगों को अस्तालम में भर्ती कराया गया है। इस स्थिति में अभी मासूल वालों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। हमला इतना जोरादार था कि काफी दूर तक धूएं के गुबार देखे गए।

मजे में कट रही इमरान खान की जेल की सजा, कोठरी में बनाया गया खास शौचालय

इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की कोठरी में नया शौचालय बनाया गया है। पांच फीट ऊंची दीवारों वाले शौचालय में एक दरवाजा भी लगाया गया है। बता दें कि इमरान खान ने अलाल में शिकायत की थी कि उनकी निजति का उद्धवाले हो रहा है और उन्हें रहने लायक आधारात्म सुविधाएं भी नहीं दी जा रही हैं। जिसके बाद सकार ने जेल में उनकी निजति का उद्धवाले हो रहा है और उन्हें अन्य लोग घायल हुए हैं। इनमें से कुछ की हालत गंभीर है। गंभीर रूप से घायल लोगों को अस्तालम में भर्ती कराया गया है। इस स्थिति में अभी मासूल वालों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। हमला इतना जोरादार था कि काफी दूर तक धूएं के गुबार देखे गए।

ब्रिटेन में नवजात बच्चों की हत्या की दोषी नर्स लूसी लेटबाई को उम्रकैद की सजा

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग का संगठन कन्सेन्शन सेंटर ब्रिक्स कर रहे रूस ने विस्तार का समर्थन किया। चीन ने भी अपने गढ़ों के लिए तेवर है। इस बार का सम्मेलन राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक समन्वय के क्षेत्रों पर केंद्रित होगा। इसमें सदस्य देश अपार के अवधार, आर्थिक आपूर्ति और सहयोग के क्षेत्रों की पहचान करेंगे। साथ ही कोई बड़ी निर्णय लिया जा सकता है। ब्रिक्स के अध्यक्ष के रूप में

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर गोग सत्संग समिति द्वारा विप्रिण इण्टरप्राइजेज 1/6C मध्यवर्ती ऊंची कटार प्रयागराज से मुद्रित एवं

क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक स्वामी श्री योगी सत्यम् राज्य RNI No: UPHIN/2001/09025 Email:- akhandbharatsandesh@gmail.com सभी विवादों का व्याय बोत्र प्रयागराज होगा।

नेपाली संसद में गतिरोध खत्म करने पर सहमति

काठमांडू। नेपाल में संसद के दोनों सदनों ने की कार्यवाही आज से सुचारू होने की संभालना है। एक महीने से जारी गतिरोध को खत्म करने पर पक्ष और विपक्ष के बीच सहमति बन गई है। सोमवार देररात तक चली सर्वलीय बैठक में सहमति जताई गई।

इसके लिए सरकार भी विपक्षी दल की मांग पर एक महीने में अलाल करने को तैयार हो गई है। विपक्ष की मांग है कि एक क्रिंटल सेने की तस्करी में गृहमंत्री की भूमिका की जांच कराई जाए। बैठक के बाद उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री श्रीते ने कहा विपक्ष की जांच आयोग की मांग को स्वीकृत कर लिया गया है। फिलहाल सीआईडी ही जांच

करेगी। अगर एक महीने में कोई परिणाम नहीं निकला तो जनता समाजवादी पार्टी के

प्रमुख सचेतक महेश बतौला, जनता समाजवादी पार्टी के प्रमुख सचेतक महेश बतौला, जनता समाजवादी पार्टी के बाल सुधार केंद्र (जेल) का दरवाजा तोड़कर 24 घंटे पहले फरार विचारधीन 212 बाल कैदियों में से 194 को पुलिस ने दबोच लिया। बाकी 18 लालश की जांच रही है। भवतपुर के डीएसपी वसंत पाठक ने बताया कि भवतपुर और काठमांडू से इनको पकड़कर दोबारा सुधार केंद्र भेजा गया है। उन्होंने बताया कि एक कैदी की मृत्यु के बाद बाल सुधार केंद्र में काफी हांगामा हुआ था कैदियों और सुधाकरियों के बीच हुई झड़प में कम से कम 12 पुलिसकर्मी और 10 बाल कैदी भाल हो गए थे। इसमें रमेश लेखक, माओवादी हितराज पाठक और नेकापा एमाले के सुवाह नेकापा ने हिस्सा लिया। आज सुबह 11 बजे एक महत्वपूर्ण बैठक भी होनी है।

राजकिसरो यादव, नेपाली कांग्रेस के रमेश लेखक, माओवादी हितराज पाठक और नेकापा एमाले के सुवाह नेकापा ने दबोच लिया। आज सुबह 11 बजे एक महत्वपूर्ण बैठक भी होनी है।

उच्चस्तरीय जांच समिति बनाई जाएगी। यह बैठक प्रधानमंत्री पाठक के बाल सुधार केंद्र में काफी हांगामा हुआ था कैदियों और सुधाकरियों के बीच हुई झड़प में कम से कम 12 पुलिसकर्मी और 10 बाल कैदी की मृत्यु हो गई थे। इसमें रमेश लेखक, माओवादी हितराज पाठक और नेकापा एमाले के सुवाह नेकापा ने हिस्सा लिया। आज सुबह 11 बजे एक महत्वपूर्ण बैठक भी होनी है।

यह बैठक के बाद जांच रही है। उन्होंने बताया कि एक कैदी की मृत्यु हो गई थी। कैदी के बाद बाल सुधार केंद्र में काफी हांगामा हुआ था कैदियों और सुधाकरियों के बीच हुई झड़प में कम से कम 12 पुलिसकर्मी और 10 बाल कैदी की मृत्यु हो गई थे। इसमें रमेश लेखक, माओवादी हितराज पाठक और नेकापा एमाले के सुवाह नेकापा ने हिस्सा लिया। आज सुबह 11 बजे एक महत्वपूर्ण बैठक भी होनी है।

यह बैठक के बाद जांच रही है। उन्होंने बताया कि एक कैदी की मृत्यु हो गई थी। कैदी के बाद बाल सुधार केंद्र में काफी हांगामा हुआ था कैदियों और सुधाकरियों के बीच हुई झड़प में कम से कम 12 पुलिसकर्मी और 10 बाल कैदी की मृत्यु हो गई थे। इसमें रमेश लेखक, माओवादी हितराज पाठक और नेकापा एमाले के सुवाह नेकापा ने हिस्सा लिया। आज सुबह 11 बजे एक महत्वपूर्ण बैठक भी होनी है।

यह बैठक के बाद जांच रही है। उन्होंने बताया कि एक कैदी की मृत्यु हो गई थी। कैदी के बाद बाल सुधार केंद्र में काफी हांगामा हुआ था कैदियों और सुधाकरियों के बीच हुई झड़प में कम से कम 12 पुलिसकर्मी और 10 बाल कैदी की मृत्यु हो गई थे। इसमें रमेश लेखक, माओवादी हितराज पाठक और नेकापा एमाले के सुवाह नेकापा ने हिस्सा लिया। आज सुबह 11 बजे एक महत्वपूर्ण बैठक भी होनी है।

यह बैठक के बाद जांच रही है। उन्होंने बताया कि एक कैदी की मृत्यु हो गई थी। कैदी के बाद बाल सुधार केंद्र में काफी हांगामा हुआ था कैदियों और सुधाकरियों के बीच हुई झड़प में कम से कम 12 पुलिसकर्मी और 10 बाल कैदी की मृत्यु हो गई थे। इसमें रमेश लेखक, माओवादी हितराज पाठक और नेकापा एमाले के सुवाह नेकापा ने हिस्सा लिया। आज सुबह 11 बजे एक महत्वपूर्ण बैठक भी होनी है।

यह बैठक के बाद जांच रही है। उन्होंने बताया क